

(2) गडुरः (श, रं) or गडुलः (ला, लं). *H. bull* : ककुब्धत् (m.).

HUNCH, HUNCHBACKED : v. Hump, hump-backed.

HUNDRED : I. The numeral : शतम्, *I will give you h. villages* शतः ग्रामान् प्रदास्यामि, A. r. ; *three h. years* : अब्दशतानि त्रीणि, V. p. iv. 24. 15. ; *h. times* : शतवारान् ; *in a h. ways* : शतधा ; *by hundreds* : शतशः ; *a h. thousand* : लक्षम्. II. A district : मण्डलम्. N.B. V. s. has शताध्यक्षः = chief of h. (villages).

HUNDREDTH (adj.) : शततमः (मी, मं), *h. part* : शततमी कला, D. ii.

HUNDREDTH (subs.) : (1) शतांशः (2) शतभागः ; (3) शततमो भागः.

HUNDREDWEIGHT : expr. by मणम् (=2/3 of a cwt.).

HUNGER (subs.) : (1) जुघा, *to allay h.* : जुघाशान्तये, H. ; *(our) master is suffering from h.* : स्वामी जुघया परिपीड्यते, P. i. 16. ; (2) बुभुक्षा, *I will eat this in (my) first h.* : प्रथमबुभुक्षायामिदं खादामि, H. (3) जुष् (gen. in comp.), *and in a moment h. and thirst of all went off.* जुत्पिपासे च सर्वेषां क्षणेन व्यपगच्छताम्, Mah. iii. 314. ; (4) अशनाया (rare) ; (5) जिघत्सा (rare).

HUNGER (v.) : I. Lit. : जुध्यति (जुष्, c. 4.), better by adj. II. Fig. : जुध्यति (जुष्, c. 4.).

HUNGRY, HUNGERED : (') जुधितः (ता, तं), *I am h., my life is going out* : जुधितोऽहं गतप्राणः, Mah. ; (2) बुभुक्षितः (ता, तं), *the h. monkey* : बुभुक्षितः कपिः, A. r. ; (3) जुधार्त (f. तर्ता), जुधाविष्ट (f. ष्टा), जुधापीडितः (ता, तं), etc. ; *you are h.* : जुधालुर्भवान्, -P. i. 16.

HUNT (v.t.) : I. Lit. : मृगयते (मृग, c. 10.) or मृगयां करोति or चरति (चर्, c. 1.), Ram. II. Fig. : मृगयते, *a gem does not seek, but it is h. ed* : न रत्नमन्विष्यति मृगयते हि तत्, Sa. : v. To search.

HUNT, HUNTING (subs.) : (1) मृगया, *there is nothing so beneficial as h.* यथा मृगया ह्यौपकारिकी न तथान्यत्, D. viii. ; *to go out (for) h.* : मृगयां याति, Mah. ; *devoted to h.* : मृगयाशीलः (ला, लं), Sa. ii. ; (2) आखेटः, -कः, *deer. h.* : हरिणाखेटकः, K. s.

ix. 74. ; (3) मृगव्यम् (rare), *h.-forest* : मृगव्यसत्रम्, Ki. xiii. 9.

HUNTER : I. One who hunts : (1) व्याधः (=professional h.) ; (2) मृगयुः (rare : of more gen. application). II. A hunting horse : वाजिन् (m.), R. ix. 56. (?) : v. Horse.

III. A hound : मृगयाकुङ्कुरः ; आखेटिकः.

HUNTING-BOX, HUNTING-SEAT मृगयास्थली.

HUNTSMAN : I. A hunter : q.v. II. A servant : मृगयापुरुषः (?) .

HURDLE : *काष्ठबन्धः or काष्ठरोधः.

HURL (v.) : (1) क्षिपति (क्षिप्, c. 6.) : v. To cast, throw ; (2) पातयति (c. of पत्) (= to cause to fall).

HURL (subs.) : I. A cast : q.v. : क्षेपः. II. Tumult : q.v. : तुमुलम्.

HURLING (subs.) : a game: perh. कन्दुकक्षेपः.

HURLY-BURLY : तुमुलम् : v. Tumult, confusion.

HURRA, HURRAH : जयध्वनिः. and sim. comp.s.

HURRICANE : (1) मृच्छा, -निलः. and sim. comp.s., *a violent h. blew* : महाबलो मृच्छावातो बवौ, Mah. i. 149. 2. ; (2) प्रमञ्जनः, H. ; (3) चण्डवातः, जवानिलः, etc. (any strong gale).

HURRIED (adj.) : (1) त्वरितः (ता, तं) (=hasty : q.v.) ; (2) त्वराविधान्त (f. न्ता) and sim. comp.s.

HURRIEDLY : (1) त्वरितम् : v. Hastily ; (2) ससम्भ्रमम्.

HURRY (v.i.) : त्वरते (त्वर्, c. 1.) : v. To hasten.

HURRY (v.t.) : त्वरयति (c. of त्वर्) : v. To Hasten.

HURRY (subs.) : I. Haste : q.v. : त्वरा. II. Bustle : सम्भ्रमः.

HURRY-SKURRY (adv.) : (1) अस्तव्यस्तम् ; (2) ससम्भ्रमम्.

HURRYING (subs.) : "there was h. to and fro" : जना धावन्तोऽतस्ततः : v. Also haste.

HURT (subs.) : (1) क्षतम्, *causing of h.* क्षतदर्शनम्, N.s. ; व्रणम् (=wound : q.v.) ; (2) दुःखम् (=pain : q.v.), *to cause h. without drawing blood* : शोणितेन विना दुःखमुत्पादयति, V. s.

HURT (v.t.) : (1) पीडयति (पीड्, c. 10.) : v. To